

2. तपण (von 2. तप) 1) adj. subst. *vernichtend, Vernichter*: सुरद्वि-
पणौदयधैर्भुजदण्डैः BHAG. P. 4, 7, 32. स्वपत्न्यं 8, 22, 10. चरितानि यत्र गा-
यन्ति लोकशमलतपणानि भर्तुः 3, 13, 17. BURNOUR: *les histoires où leur*
maître paraît uni à la condition misérable de l'humanité. Als Bein.
Çiva's Çiv. — 2) n. *das Vernichten, Verringern, Unterdrücken, Vertrei-*
ben: शत्रूणां तपणात् MBH. 2, 523. 1204. तेषां यथास्वं संशोधनं तपणं च
SUGA. 1, 50, 10. 2, 437, 13. श्रापुःतपण 167, 20.

तपणक (von 1. तपण) m. 1) Bettler, insbes. *ein nackt einhergehender*
buddhistischer: सो ऽपश्यद्य पथि नयं तपणकमागच्छन्तम् MBH. 1, 789.
fg. नम्रतपणके देशे रजकः किं करिष्यति KĀR. 110. PAÑKAT. 235, 10, 21.
विकार 236, 8. प्रधानं 15. (शिवम्) कृततपणकाकृतिम् KATHĀS. 20, 132.
एकः तपणक शाकाकर्ता तत्र तपणक दशशाकाशा यत्र तपणक दशशा-
काशा तत्र तपणक का शाकाशा UDBHĀTA im ÇKDR. = दिगम्बर PRAB. 50,
3. fgg. = निर्ग्रन्थ Ind. St. 2, 287, N. Davon तपणकता f. nom. abstr.: त-
पणकतामपि धत्ते पिबति सुरा नरकपाले ऽपि PAÑKAT. I, 338. — 2) N. pr.
eines Autors, der am Hofe Vikramāditya's gelebt haben soll, HAEB.
Chr. 1.

तपणी f. = तपणी WILSON.

तपण्यु m. *Beleidigung* ÇABDAM. im ÇKDR. — Vgl. तपि.

तपौ f. 1) Nacht NAIH. 1, 7. AK. 1, 1, 3, 3. H. 141. Im Veda nur im
instr. pl. als Ergänzung des Stammes तप् (vgl. तपि und तपिा): स नः
तपाभिरुहंश्च त्रिन्वत् RV. 4, 53, 7. तपाम् MBH. 3, 46. SIV. 5, 80. तपा-
याम् VID. 237. तपाः R. 2, 23, 9. SUGA. 1, 242, 6. ÇĀK. 132. तपासु MEGH. 109.
वत्सर्चनतपाशय MBH. 4, 597. तपात्यये R. 5, 13, 26. 19, 35. RAGH. 2, 20.
DAÇAK. 94, 5. तपाह् वुष्टुर्गमेषो M. 1, 68. — 2) Gelbwurz nach AK. 2,
9, 41. ÇKDR.

तपाकर (तपा + 1. कर *machend*) m. *der Mond* AK. 1, 1, 3, 16. VOP.
26, 47.

तपाचर (तपा + चर) m. *Nachtwandler, ein Rakshas* MBH. 3, 16497.
16506. BENF. Chr. 62, 53. — Vgl. तपाचर, निशाचर.

तपाट (तपा + अट) m. *dass. TRIK. 1, 1, 73. BHATT. 2, 30.*

तपानाथ (तपा + नाथ) m. *der Mond* WILS.

तपान्ध्य (तपा + आन्ध्य) n. *Nachtblindheit* SUGA. 2, 240, 13. — Vgl. त-
पादान्ध्य, नक्तान्ध्य.

तपापति (तपा + पति) m. 1) *der Mond*. — 2) *Kämpfer* ÇKDR. nach
der Analogie von निशापति.

तपावत् und तपावत् (तम् *Erde* + पावत् *Beschützer*) m. *Herrscher*: स
हि तपावान्स भगः स राजा RV. 3, 53, 17. नहि मन्युः पौरुषेय इणे हि वः
प्रियज्ञात । तमिदं तपवान् 8, 60, 2. नृणां नर्यो नृत्तमः तपावान् 10, 29, 1.
स हि तपावां अग्नी रयीणाम् 1, 70, 5 (3). 7, 10, 5.

1. तम् तमते (ep. auch तमति; तमिति ved. P. 7, 2, 34, v. 1.; तामत् AV.
7, 63, 1 ist wohl unrichtige Lesart für तामत्; vgl. 12, 2, 28 und Durga
zu NIR. 6, 12, Zeile 10) DAARUP. 12, 9; ताम्यति (nicht zu belegen; dage-
gen तम्यताम् 3. sg. imperat. med. BHAG. P. 6, 3, 30) 26, 97. P. 7, 3, 74; च-
तमे, चतएवहे, चतएमहे 8, 2, 65, Sch.; तंस्यते, तंस्यति, तमिष्यति; अतं-
स्थाः BHATT. 13, 15; तनुम् तातं und तमित; 1) *sich gedulden, sich ru-*
hig verhalten, seinen Unwillen zurückdrängen: इन्द्रं वा पुत्रः तममाणामा-
नृ RV. 10, 104, 6. तमस्व मासोश्चतुरो मया सह R. 4, 26, 25. DAÇAK. in

BENF. Chr. 185, 11. रोजयमाणोस्तान्दृष्ट्वा — कारुण्यात् — न चतमे MBH.
1, 6112. यो नित्यं तमते तात व्रह्मन्देयात्स विन्दति 3, 1035. R. 5, 36, 47.
सहदेवं वने दृष्ट्वा कस्मात्तममसि MBH. 3, 1021. तातं न तमया ÇĀTIÇ. 1, 9.
तात mit Präsenbed. KĀR. zu P. 3, 2, 188. geduldig M. 5, 158. JĀGĀN. 3,
311. R. 2, 111, 30. RAGH. 18, 8 (ताततर). n. Geduld R. 1, 34, 32. 33. — 2)
sich in Etwas (dat.) fügen: न ह वा दृत्स्मा अग्रे पशवश्चतमिरे ÇAT. Bb.
3, 7, 1. दानाय 4, 3, 4, 13. — 3) *Etwas geduldig ertragen, ruhig hinneh-*
men, sich Etwas gefallen lassen; mit dem acc.: तममाणः प्रियाप्रिये R. 4,
21, 33. तं धर्मं श्वेतकेतुर्न चतमे MBH. 1, 4730. स सर्वं तनुमर्हति 3, 1100.
शिषुपालस्तु तो पूतो वासुदेवे न चतमे 2, 1336. न चतमे ततो राजा समा-
ह्वानम् 3, 2261. न कालातिक्रमं तमे R. 5, 36, 15. तस्याः पार्थाः परिक्षेपं
न तंस्यते MBH. 2, 2701. 2467. RAGH. 7, 31. 12, 46. तात = सोढ AK. 3, 2,
46. — 4) *Jmd Etwas verzeihen, nachsehen*; mit dem acc. der Sache und
gen. (dat.) der Person: शिषुपालस्यापराधान्तेमयास्त्वम् MBH. 2, 1516. त-
मस्व तन्मे R. 4, 22, 38. आगोसि न तमते हि प्रधानानां नराधिपाः 53, 19.
RAGH. 8, 80. DAÇAK. in BENF. Chr. 193, 3. तातवांस्त्व तत्कर्म पुत्रस्तस्य
न चतमे MBH. 1, 1743. तमिष्यामि R. 5, 88, 18. 4, 33, 9. तनुमर्हसि मे दो-
षमेतम् 17, 48. 1, 46, 23. N. 25, 9. तत्तम्यतां सः — स्वपुरुषैर्दमत्कृतं नः
BHAG. P. 6, 3, 30. यस्त्वैश्वर्यात् तमते M. 8, 313. तमस्व मे RAGH. 14, 58. R.
4, 8, 8. मा वा कुलं मम तम MBH. 2, 1579. तत्तमनु ममेष्टराः 3, 2142. तं-
स्यामि 10340. तनुमर्हसि नः 1, 7862. 7866. 2, 2467. 3, 13681. R. 2, 23, 11.
4, 35, 9. कुतस्त्यं भीरु यत्तेभ्यो (dat.) द्रुह्यद्भ्यो ऽपि तमामहे BHATT. 4, 39.
pass.: दुरुक्तं तम्यतां मम MBH. 3, 11139. R. 2, 78, 21. 4, 17, 45. PAÑKAT.
29, 18. 43, 14. 224, 20. 264, 9. HIT. 83, 11. एवं तातं मया तव MBH. in
BENF. Chr. 23, 27. PAÑKAT. 29, 20. येनैतत्तमितं मया MBH. 2, 1582. — 5)
Jmd (gen.) vergönnen, gestatten, dass (potent.): तमतो धर्मराजो मे (*gestatte*
mir) विभूपात्पितरावयम् DAÇ. 2, 37. — 6) *Jmd leiden, ruhig gewähren*
lassen; mit dem acc.: न तंस्यति पिता पुत्रं पुत्रश्च पितरं तया MBH. 3, 13051.
शरत्प्रतीतं तमतामिमं भवान् R. 4, 27, 22. आश्रमङ्गकरात्राज्ञा न तमेत सुता-
नपि HIT. II, 103. pass.: नैप राजर्धर्मो यद्वैकुण्ठिरपि तम्यते PAÑKAT. 60,
1. — 7) *Jmd (acc.) Widerstand leisten*: शत्रुं तमते P. 1, 3, 33, Sch. — 8)
vermögen, im Stande sein; mit dem infin.: स्ते रवेः तालपितुं तमेत कः
तपातमस्काण्डमलीमसं नभः ÇIC. 1, 38. 9, 65. — caus. 1) *Jmd (acc.) ue-*
gen Etwas (acc.) um Verzeihung —, um Nachsicht bitten: तमयामास
पार्थिवम् MBH. 3, 3017. 1, 7979. 4, 1599. 5, 7119. PAÑKAT. 163, 7. तमयामि
162, 15. तमयाम MBH. 13, 4160. तत्तामये भवन्तम् 1, 783. BHAG. 11, 42. —
2) *Etwas geduldig ertragen*: तत्सर्वं तमयामास शक्नो ऽपि हरिपुंगवः R.
5, 49, 11. — Vgl. तमापय.

— अग्नि 1) *sich gnädig erzeigen*: अग्नितातोरो अग्नि च तमधम्या च नो
मृक्यतापरं च RV. 2, 29, 2. अग्नि नो वीरो अर्वति तमेत 33, 1. — 2) *einer*
Sache günstig sein, verstaten: यूयं नः पुत्रा अदितेरदब्धा अग्नि तमधं पु-
त्राय देवाः RV. 2, 28, 3. — 3) *begnadigen*: अग्नी नु मा वृषभ चतमीयाः (po-
tent. perf.) RV. 2, 33, 7.

— अथ s. अथताम.

— सम् *Jmd leiden, ruhig gewähren lassen*: अर्धमार्चितमर्वाहं सर्वं संतनु-
मर्ह्य MBH. 2, 1389.

2. तम् f. *Erboden, Erde, χθών* (vgl. χαμαί u. s. w.) NAIH. 1, 1. Es
ergiebt sich folg. unregelm. Decl.: ताम्, ताम्, तमो (indecl. gaṇa स्व-